मेहनतकशों का पैग़ाम मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com

Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

14 को खट्टर का घर घेरेंगे कर्मचारी 3
अवैध होर्डिंग की एमसीएफ को जानकारी तक नहीं 4
दुष्यंत के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा गया 5
योगी जी! तख्ती पर 'सुरक्षा' नहीं, 'अराजकता' लिखा है 6
फ़रीदाबाद में इस तरह हो रहा वैक्सीनेशन 8

वर्ष 34 | अंक 17 | फरीदाबाद | 7-13 मार्च 2021 | फोन-8851091460 | 3.00 ₹

कैसा विकास: फरीदाबाद नगर निगम के बजट का 80 फीसदी अफसरों-कर्मचारियों पर खर्च होगा

एमसीएफ कमिश्नर का कोई विजन बजट में नजर नहीं आया, शहर में सड़क, पानी, सीवर, सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं पर कोई बात नहीं

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद : नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) का बजट आया और चला गया। न जनता जागी और न राजनीतिक दल। सिर्फ दो दिन की गहमागहमी के बाद चारों तरफ खामोशी छा गई। कुछ पार्षद और विधायक सुर्खियां बटोरकर गायब हो गए। फरीदाबाद एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद और बल्लभगढ़ में पानी, सड़क, सफाई और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराने की जिम्मेदारी एमसीएफ की है लेकिन शहर को अपने ही बजट की चिन्ता नहीं है, जिसके दम पर इस शहर का भविष्य टिका है।

नगर निगम सदन में 2021-22 के लिए 2593 करोड़ के घाटे का बजट पेश किया गया है। जिसमें दावा किया गया है कि एमसीएफ 2567 करोड़ 67 लाख रुपये अपनी आमदनी से जुटा लेगा।

लेकिन इस बजट की हकीकत क्या है...इस बजट हकीकत ये है कि एमसीएफ अपनी आमदनी का 80 फीसदी पैसा अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन, वकीलों की फीस, प्रशासनिक खर्चे, मेडिकल बिलों की अदायगी, नए वाहनों की खरीद और पुरानों की मरम्मत और एजेंसियों से लिए कर्जों की किस्त चुकाने पर खर्च होंगे।

नगर निगम होश में आओ : हार्डवेयर चौक से प्याली चौक तक सड़क की खस्ता हालत के खिलाफ अनशनकारी बाबा रामकेवल ने 5 मार्च से अपना आंदोलन शुरू कर दिया है

किसके लिए चलाया जा रहा है नगर निगम

एमसीएफ के बजट पर हर साल अफसर अपने खाने-कमाने का पूरा इंतजाम रखते हैं। अफसरों और कर्मचारियों के अलावा ठेकेदारी और अस्थाई रूप से रखे गए कर्मचारियों के वेतन पर इस साल 36457 लाख रुपये खर्च होंगे। 723 लाख रुपये अकेले प्रशासनिक कार्यों पर खर्च होंगे। अन्य मदों के लिए 20706 लाख रुपये रखे गए हैं। कमिश्नर आफिस, तीन जोन के ज्वाइंट कमिश्नर आफिस और चीफ इंजीनियर के आफिस में लाखों रुपये सिर्फ चाय-पानी पर खर्च किए जाते हैं। चाय-पानी के ये बिल कितने सही या गलत बनते हैं, इसके बारे में शहरी निकाय विभाग कभी आडिट ही नहीं करता है। अफसरों की निजी गाड़ियां तक एमसीएफ के खर्च पर ठीक कराई जाती हैं। तमाम अफसरों के घरों पर आउटसोर्सिंग के तहत कर्मचारी रखे गए हैं, जबकि इनके अलावा एमसीएफ का स्थायी स्टाफ अफसरों के घरों पर अलग से तैनात हैं। जिन मालियों की ड्यूटी शहर के पार्कों में होनी चाहिए, वे अफसरों के घरों पर घास साफ करते हुए नजर आते हैं। इनकी सैलरी एमसीएफ ही भरता है।

शहर की सड़कों की हालत किसी से छिपी नहीं है। हार्डवेयर चौक से लेकर प्याली चौक तक की सड़क की बदहाली को लेकर आंदोलन तक हो चुके हैं लेकिन बजट मीटिंग में इस सड़क का जिक्र तक नहीं आया। वार्ड तीन के पार्षद जयवीर खटाना ने अपने वार्ड में सीवर की समस्या उठाई तो उन्हें कमिश्नर यशपाल यादव ने ऊंची आवाज में बात नहीं करने को कहा। उन्होंने पार्षद पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। शाम होते-होते पार्षद जयवीर खटाना की आवाज नीची होती चली गई। उनके इलाके में सीवर साफ करने वाली बड़ी गाड़ी एमसीएफ के अफसरों ने भेज दी। इसे जयवीर खटाना ने अपनी जीत माना। अगले दिन पत्रकार एमसीएफ में खटाना का इंतजार करते रहे कि शायद वो इस्तीफा देने आएं लेकिन जयवीर खटाना का दूर-दूर तक पता नहीं था। एक अन्य पार्षद कुलदीप तेवतिया ने बजट की प्रति फाड़ दी। लेकिन उनकी भी छटपटाहट सिर्फ इसी बैठक तक सीमित रही। इस तरह निगम की बजट बैठक एक ढकोसला बनकर रह गई। कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा बैठक में आए और अफसरों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर अपना कर्तव्य पूरा कर लिया। उनके पास एमसीएफ में अफसरों - कर्मचारियों के भ्रष्टाचार से लड़ने की कोई ठोस योजना नहीं है। हालांकि कांग्रेस इस समय विपक्ष में है और वो इस मौके को भुना सकती है लेकिन विधायक से लेकर कार्यकर्ता तक शिथिल पड़े हुए हैं।

मूलचंद शर्मा बजा रहे हैं झुनझुना...बल्लभगढ़ - सोहना रोड ओवरब्रिज फोर लेन फिर ठंडे बस्ते में

जैसी जनता-वैसे नेता: शहर को जाम से बचाने के लिए छह साल से चल रही थी यह कवायद

चन्द्र प्रकाश

बल्लभगढ़: इस इलाके से भाजपा विधायक और मंत्री मूलचंद शर्मा देखते रह गए और बल्लभगढ़-सोहना रोड पर बने फ्लाईओवर को फोर लेन करने का टेंडर रद्द हो गया। करीब छह साल से चल रही कार्यवाही एक झटके में खत्म हो गई। इस तरह बल्लभगढ़ शहर और फरीदाबाद की इंडस्ट्रियल बेल्ट को जिस जाम से छुटकारा मिलने की उम्मीद की जा रही थी, अब वो जाम कायम रहेगा।

सोहना रोड के इस फ्लाईओवर पर हर समय लगा रहता है जाम

क्या है वजह

सोहना रोड रेलवे फ्लाईओवर को फोर लेन बनाए जाने के लिए पीडब्ल्यूडी ने सरकार के पास प्रस्ताव भेजा था। सरकार ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। इसके लिए करीब डेढ़ एकड़ जमीन का अधिग्रहण भी किया जाना था। जमीन के मालिकों से बात करने के लिए डीसी फरीदाबाद की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक समिति का गठन किया गया। समिति में एसडीएम बल्लभगढ़, जिला राजस्व अधिकारी, लोक

शेष पेज दो पर

केन्द्र ने भी विज को नहीं डाली घास, अब इस्तीफा दे देना चाहिए